अपने बधिर बच्चे के साथ घर पर सीखने के लिए सहायक गतिविधियाँ

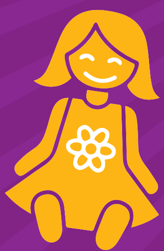

एक ऐसे वातावरण का निर्माण करें जिस में आप का बच्चा प्राकृतिक रूप से सीख पाये। अपने बच्चे को यह दिखलाना है कि ठीक तरह से हाथ कैसे धोने चाहिए और इस की जरूरत सिखाने की कोशिश करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना पुस्तकों से सीखना। आप के बच्चे के जीवन कौशलों का विकास करने के कई लाभदायक रास्ते हैं।

- वस्तुओं को गिनना और अंकों को अपनी उंगलियों पर दिखाना।
- खाना पकाते समय प्रयोग होनेवाली सामग्री के बारे में और वे कैसे पकाने से समय बदलते हैं उसके बारे में बताना।
- अपने बच्चे को पेड़ों, पहाड़ों, नदियों, फलों, सब्जियों एवं जानवरों या पक्षियों के नाम और संकेत बताना या रंग, आकार, टेक्सचर (texture) स्वाद और सुगंध का वर्णन उन्हें स्पर्श कर, स्वाद लेकर अथवा सूंघकर करना।
- बच्चे को अपने नाम में पाये जानेवाले अक्षर को चुनने में सहायता करना।
- उन्हें समय का ज्ञान सिखाना।

घर पर सीखनेवाले छोटे बधिर एवं सामान्य श्रवण शक्तिवाले बच्चों के लिए गतिविधियाँ

प्रतिभा प्रर्दशन

किसी वस्तु या जानवर की रूप-रेखा (outline) कागज या रेत या मिट्टी पर बनाइए। आप पत्रिका से भी रूपरेखा या टेम्पलेट (template) का प्रयोग कर सकते हैं। किसी किसी वस्तु के चित्र को चार या पाँच बार बनायें। जब आप चित्र बनायें तो उन्हें एक जैसा बनायें पर उन में से एक के (details) को बदलिए। उदाहरण: यदि आप कुत्ते या हाथी का चित्र बनाते हैं, तो एक के लिए लंबी पुंछ और बाकी की छोटी पुंछे बनाईए।

- क्या कान एक जैसे है?
- कौन सा भिन्न (अलग) है?
- क्या वे एक ही साईज (size) के हैं?

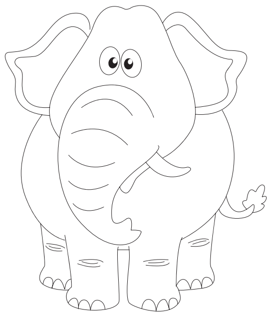

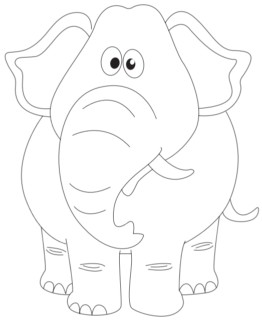

फिर से जुड़ जाना

एक साधारण चित्र बनाइये या अखवार या पत्रिका से चित्र लीजिए। उस चित्र को कई टुकडों में काटिये और बच्चे से उसे पहेली (puzzle) जैसे जोड़ने के लिये कहिये या बिल्ली या किसी अन्य जानवर के चित्र की रूपरेखा बनाकर उसका एक भाग काट दीजिये। अब बच्चे से कटे हुए भाग के चित्र को बनाने के लिये कहिये।

घर पर सीखनेवाले अत्यंत छोटे बधिर एवं सामान्य श्रवण शक्तिवाले बच्चों के लिये गतिविधियाँ

खोयी हुई वस्तुएं

अपने घर या बगीचे से कई चीजें इकट्ठा कर उन्हें एक जगह पर रखिए। अपने बच्चे से उन्हें देखकर उनका नाम बताने के लिए कहिए। बच्चे को आँखे बंद करने या पीछे मुड़ने के लिए कहिए और एक चीज को हटाइए। बच्चे को फिर से देखने के लिए कहिए और पुछीए कि कौन सी चीज गायब है। इस खेल को और कठिन बनाने के लिए और ज्यादा वस्तुएं जोड़िए। यह बारी बारी से खेलने के लिए अच्छा उपाय है जिस में बच्चा वस्तुओं को हटाकर आप से गायब चीज का अनुमान लगाने के लिए कहेगा। इस तरह आप और बच्चा संप्रेषण कर सकते हैं और नये शव्द एवं संकेत सीखने की सहायता मिल सकती है।

वस्तुओं को नाम देना

इस तरह से बच्चो को वस्तुओं के नाम एवं संकेतों से भली भांति अवगत करा सकते हैं। आप वर्णनात्मक शब्दों का भी परिचय (introduce) दे सकते हैं जैसे छोटी कुर्सी, बड़ी मेज, नीली बत्ती (lamp)। यदि आप सांकेतिक भाषा नहीं जानते हैं तो संकेतों और शारीरिक हाव भाव का निर्माण करने की कोशिश कीजिए या यदि आप का बच्चा स्कूल में सांकेतिक भाषा सीखता है तो उसे आप को बतलाने के लिए कहिए। यदि आप का बच्चा पढ़ने और लिखने के लिए तैयार है तो उसे घरेलू चीजों पर लेबल (label) लिखने के लिए कहिए। इस से उन्हें लिखने, अक्षर विन्यास (spelling) और नये शब्द सीखने का अवसर मिलेगा!

अंकों का मिलान करना

रेत या मिट्टी या कागज पर गोलाकार बनाकर उन में 1 से 10 तक के अंक लिखिए। भिन्न-भिन्न वस्तुएं जैसे बोतल के ढक्कन, पत्थर, बीज, नट्स, पत्ते इकट्ठा कीजिए और बच्चे से सही वस्तुएं हरेक गोलाकार में रखने को कहिए। इस से आप का बधिर बच्चा अंकों के नाम एवं अंकों के प्रतीक ध्यानपूर्वक गिनना एवं नये शब्द मजेदार रूप से सीखेगा।

अभिनय करना

एक साफ्ट खिलौना या गुड़िया के प्रयोग से दैनिक गतिविधियों का अभिनय कीजिए। इस गतिविधी से बच्चा शरीर के अंगों के नाम एवं संकेत और कोई direct गतिविधियाँ भी सीख सकता है। यह मुमकिन है कि गुड़िया के जरिये खाना बनाना या कपड़े पहनना और अन्य गतिविधियाँ भी बच्चा सीख सकता है।

घर पर सीखने वाले बड़े बधिर बच्चा एवं जवान व्यक्तियों के लिए गतिविधियाँ

आयु और कक्षा के आधार पर आप के बधिर बच्चे को पाठ्य पुस्तकों पर काम करना पड़ सकता है परन्तु यह मुमकिन न होने पर भी वह घर पर सीखना जारी रख सकता है। यदि आप के पास इंटरनेट उपलब्ध है या ऑनलाइन अप्स (apps) की सुविधा है तो कई ऐसी वेबसाइटस हैं जो सीखने में सहायक हो सकते हैं। परन्तु ध्यान देना चाहिए कि वे websites सुरक्षित (safe) हैं और आप का बच्चा सारा दिन स्क्रीन (screen) का प्रयोग नहीं कर रहा है। आप के स्थानीय शिक्षकों को लाभदायक websites की जानकारी हो सकती है एवं आप उन से ऐसे website सिफारिश करने की माँग कर सकते हैं।

संकेत एवं शारिरिक हाव भाव

अपने बच्चे से कहिए कि आप को संकेत सिखाये ताकि आप उनके साथ सीखें और ज्यादा संप्रेषण करें। इस को पारिवारिक स्पर्धा बनाईए यह देखने के लिए कि कौन ज्यादा संकेत कर सकता है पर याद रखिए कि वस्तुओं के संकेत सीखना, सांकेतिक भाषा सीखने की शुरुवात है।

पाठ्य पुस्तकों का प्रयोग

यदि आप का बच्चा पाठ्य पुस्तकें लेकर घर आया हो तो उसे उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। उसे आप की सहायता की जरूरत हो सकती है। उन पुस्तकों में अभ्यास के भाग (exercises) होते हैं जो वच्चा आप के मार्गदर्शन से करने की कोशिश कर सकता है। उत्तर लिखने के लिए एक कॉपी रखना उचित होगा। उसके कार्यों में रुची लीजिए, चर्चा कीजिए या उन अभ्यासों के साथ सहायता कीजिए। यदि हो सके तो मार्क (mark) भी कीजिए।
यदि बच्चे का कोई बड़ा भाई या बड़ी बहन हो तो वह उसका शिक्षा मित्र (study buddy) या शिक्षक/शिक्षिका बन सकता/सकती है।

छोटे भाई-बहन के साथ मिलकर सीखना

बडे बच्चे छोटे बच्चों को पढ़ना, लिखना या अंकों का प्रयोग सिखाने में शामिल हो सकते हैं। वे छोटे बच्चों को मनोरंजन कहानी सुनाकर या कहानी के चित्र कागज या रेत पर बनाकर कर सकते हैं। वे किसी खेल का निर्माण कर, उसके नियम लिख कर, उसे अन्य बच्चों या परिवार के सदस्यों को सिखा सकते हैं।

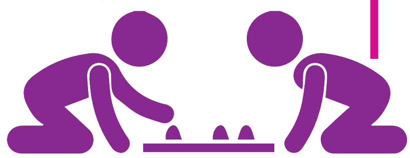

घर में सीखनेवाले बड़े बधिर बच्चों एवं जवान व्यक्तियों के लिए गतिविधियाँ

अन्य अधिगम गतिविधियाँ

आप का बड़ा बधिर बच्चा बाजार से सामान लाने की सूची (shopping list) लिखने मे आप की सहायता कर सकता है तथा खरीदने के लिए जरूरी पैसों का हिसाब लगा सकता है। इस से उसे लिखने और गणित का अभ्यास होगा। यदि आप घर छोड़ कर नहीं जा सकते हैं तो एक कमरे में या किसी छोटी जगह पर कई वस्तुओं को रखकर बाजार का स्टाल (stall) बनाइए जिस से बच्चा खरीदने और पैसे देने का नाटक कर सकता है या दूकानदार बन कर और हिसाब लगाकर चैंज (change) वापस देकर पैसे गिनना सीखता है। इस गतिविधि से बच्चे पैसे की अवधारणा सीख सकते हैं।

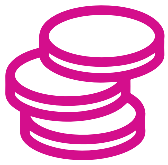

बच्चों से कहानी सुनाने के लिए कहिये और यदि हो सके तो उसे लिखिए। वे आप को अपने स्कूल या उनके पसंदीदा खेल या स्पोर्ट (sport) के बारे में बता सकते हैं या किसी व्यक्ति जिन्हें वे जानते हों का वर्णन कर सकते हैं। अथवा वे घर में बनने वाली किसी व्यंजन की सामग्री और बनाने की विधि लिख सकते हैं या उसे बनाने में मदद कर सकते हैं।

जो बच्चे अभी भी लिखना सीख रहे हैं, अन्हें अक्षरों और शब्दों को कागज पर उतारने (copy) के लिए कहिए लेकिन हमेशा उन शब्दों का अर्थ समझाईए और उतारने (copy) तक सीमित न रखिए। यदि आप संकेत और शारिरिक हाव भाव नहीं जानते हैं तो उनका निर्माण कीजिए या अपने बच्चे से कहिए कि वह आप को वे संकेत सिखाए जो वह जानता हो।

वंशानुगत सीढ़ी

अपने बच्चे के साथ वंशानुगत सीढ़ी बनाकर परिवार के सदस्यों का रिश्ता समझाइए।

मानचित्र (नक्शा)

अपने बच्चे के स्थानीय जगहों का मानचित्र (map) बनाइए और उस में सड़कों, खेत खलिहानों, दुकानों, स्कूलों को विस्तार से चित्रित करें।

अपने घर के आसपास के फूलों, पौधों और पेड़ों को देखकर बीजों का अंकुरण एवं बीज कैसे बनते है उसे समझाइए

किसी त्यौहार का चित्र दिखाइए और उस में क्या हो रहा है उसके बारे में चर्चा कीजिए। उस त्यौहार के दौरान क्या होता है और कैलंडर (calendar) में वह कब होता है इस के बारे में सोचिए।

अपने बधिर बच्चे के साथ सीखना मजेदार हो सकता है। अति उत्तम रूप से संप्रेषण (बातचीत) सीखने की युक्तियाँ ढूंढ़ निकालिए।